मुख्यालय स्तर से औद्योगिक क्षेत्र के लिए 150 से 200 एकड़ भूमि तलाशने का निर्देश

गोरखपुर में यूपीसीडा विकसित करेगा एक और औद्योगिक क्षेत्र

अच्छी खबर

गोरखपुर, वरिष्ठ संवाददाता। उत्तर प्रदेश राज्य औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यूपीसीडा) ने गोरखपुर में एक और औद्योगिक क्षेत्र विकसित करेगा। मुख्यालय स्तर से इसके लिए 150 से 200 एकड़ भूमि तलाशने का निर्देश दिया गया है। इसके बाद स्थानीय कार्यालय की ओर से भी भूमि तलाश की शुरुआत की योजना बनाई जा रही है।

यूपीसीडा के प्रधान महप्रबंधक अभियंत्रण संदीप चंद्रा ने बताया कि गोरखपुर इंडस्ट्रियल एस्टेट के कई उद्यमियों ने नया औद्योगिक क्षेत्र विकसित करने की मांग की थी। इसको देखते हुए गोरखपुर के आसपास 150 से 200 एकड़ भूमि तलाशने का निर्देश दिया गया है। अधिशासी अभियंता प्रदीप कुमार को इसकी जिम्मेदारी दी गई है। यूपीसीडा गोरखनाथ क्षेत्र में इंडस्ट्रियल एस्टेट विकसित कर चुका है। जहां कुछ जमीनें खाली हैं, वहां भी नई यूनिट स्थापित करने की कवायद हो रही है।

इसी क्रम में यूपीसीडा नगर निगम से सभी व्यवस्था अपने हाथ ले रहा है। ऐसे में डोर-टू-डोर कूड़ा कलेक्शन के साथ ही इन्फ्रास्ट्रक्चर के काम को यूपीसीडा ही करेगा। एस्टेट में सड़क आदि को लेकर सर्वे किया जा रहा है।

आईटी पार्क में 36 यूनिटों का होगा संचालन

गोरखपुर। गीडा में बन रहे आईटी पार्क में 36 साफ्टवेयर और हार्डवेयर यूनिटों का संचालन होगा। स्टार्टअप शुरू करने वाले युवा उद्यमी यहां अपना लैपटाप लेकर काम कर सकेंगे। युवा उद्यमियों को लिए यहां क्लब इन सिस्टम भी होगा। इसके साथ ही कंपनियों के सर्विस सेंटर भी खोले जाएंगे। साफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क ऑफ इंडिया (एसटीपीआई) ने सेक्टर सात में 3.5 एकड़ एरिया में आईटी पार्क विकसित किया है। सोमवार को गीडा की सीईओ अनुज मलिक और एसटीपीआई के अफसरों के बीच वीडियो कान्फ्रेंसिंग के जरिये हुई ऑनलाइन बैठक में संचालन के उपायों की जानकारी दी गई।

लघु उद्योग भारती के मंडल अध्यक्ष दीपक कारीवाल का कहना है कि रिंग रोड पर औद्योगिक क्षेत्र का विकास होता है तो निवेशकों को सहूलियत होगी।

निजी क्षेत्र की एक और इंटीग्रेटेड टाउनशिप को मिला लाइसेंस

गोरखपुर, मुख्य संवाददाता। पिछले आठ वर्षों में बदलते और विकसित होते गोरखपुर ने पूर्वांचल समेत निकटवर्ती पड़ोसी राज्य विहार के समीपवर्ती जनपदों के नागरिकों को उनकी आवासीय जरूरतों के लिए आकर्षित किया है। यही वजह कि गोरक्षनगरी में इंटीग्रेटेड टाउनशिप के लिए निजी रियल इस्टेट कंपनियां भी आकर्षित हो रही हैं। ओमेक्स समूह के बाद अब जीत एसोसिएट्स ने गोरखपुर विकास प्राधिकरण से 46.423 एकड़ में इंटीग्रेटेड टाउनशिप विकसित करने के लिए लाइसेंस लिया है।

प्राधिकरण के मुख्य अभियंता किशन सिंह ने बताया कि जीत एसोसिएट्स को गोरखपुर-देवरिया मार्ग पर चौरीचौरा तहसील राजस्व ग्राम रामनगर कड़जहां में 46.423 एकड़ में कॉलोनी विकसित करने के लिए लाइसेंस मिला है। इसमें तकरीबन 100 करोड़ रुपये का निवेश होगा। फर्म एक माह में डिटेल प्रोजेक्ट रिपोर्ट बना कर गोरखपुर विकास प्राधिकरण को सौंप देगी। उधर, 119 एकड़ भूमि पर मेसर्स ओमेक्स लिमिटेड तालजहा एवं गायघाट में इंटीग्रेटेड टाउनशिप बनाएगा। डीपीआर प्राधिकरण में स्वीकृति के लिए लंबित है। दूसरी ओर गोरखपुर विकास प्राधिकरण स्वयं भी खोराबार टाउनशिप एवं मेडिसिटी परियोजना के नाम से खोराबार व जंगल सिकरी में 187.22 एकड़ और मानबेला में राप्तीनगर विस्तार एवं स्पोर्ट्स सिटी नाम से 207 एकड़ क्षेत्रफल में परियोजना विकसित कर रहा है।

- देवरिया मार्ग पर रामनगर कड़जहा में 46.423 एकड़ में विकसित होगी टाउनशिप

गोरखपुर विकास प्राधिकरण 02 एंटीग्रेटेड टाउनशिप परियोजनाएं लांच कर चुका है। वहीं, उत्तर प्रदेश टाउनशिप नीति, 2023 के तहत निजी क्षेत्र के ओमेक्स समूह के बाद अब जीत एसोसिएट्स ने भी इंटीग्रेटेड टाउनशिप के लिए लाइसेंस लिया है।
– आनंद वर्द्धन, उपाध्यक्ष गोरखपुर विकास प्राधिकरण